

सार समाचार

रनगुवां बांध के फाटक खोलकर पानी निकाल

छत्तीसगढ़, देशबन्धु। रनगुवां बांध के भराव क्षेत्र में पानी की बढ़ती आवक के मद्देनजर सिंचाई विभाग के एसडीओ सौभर श्रीवास्तव और जूनियर इंजीनियर प्रेम प्रकाश वर्मा के आदेश पर 18 सितंबर की शाम 5 बजे तीन फाटक और रात 9:30 बजे चार फाटक खोले गए। जूनियर इंजीनियर प्रेम प्रकाश वर्मा ने बताया कि बांध की सुरक्षा को देखते हुए आवश्यकता अनुसार फाटकों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने बताया रनगुवां बांध का पानी निकाली और बांध प्रबंधन का अधिकारी उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग बांध को है। मध्य प्रदेश के सिंचाई विभाग को 33 प्रतिशत पानी की कृषि सिंचाई के लिए मिलता है, जिसकी देखभाल विभाग को करती होती है। सितंबर में निर्धारित जलभराव 764 से कम होने के कारण यह रूटीन कदम उठाया गया। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के अधिकारियों के निर्देश पर फाटक खोले गए, जबकि मध्य प्रदेश को 33 प्रतिशत पानी का विस्तार मिलता है।

शक्तिपीठ में रविवार को होगा सामूहिक श्राद्ध तर्पण

छत्तीसगढ़, देशबन्धु। गायत्री शक्तिपीठ में चितु मोक्ष अमावस्या पर सामूहिक श्राद्ध तर्पण कराया जाएगा। अनिवार्य विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि संघीप परिवार जैकर ने बताया 7 सितंबर से शुरू हुए इस कार्यक्रम में परिजन और धर्मप्रेमी अपने पूरबों को कृतज्ञ भाव से श्राद्ध तर्पण कर रहे हैं। 21 सितंबर को दो पालियों में वैदिक विश्व-विधान से मुख्य आयोग होगा। रविवार को पितृ मोक्ष अमावस्या पर गायत्री शक्तिपीठ में सामूहिक श्राद्ध तर्पण का दो पालियों में होगा। प्रभाव पाली प्रातः: 6:15 से और द्वितीय पाली 9:15 बजे से शुरू होगी। गायत्री परिवार छत्तीसगढ़ ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की है कि इस पुण्य अवसर पर शामिल होने के लिए मोबाइल नंबर 7415307495 पर पंजीयन कराएं, ताकि व्यवस्था सुनारा रूप से हो सके।

धूमौरा में भण्डारित उर्वरक में गड़बड़ी मिलने पर दिया नोटिस

छत्तीसगढ़, देशबन्धु। किसानों को सुगम तरीके से निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने एवं खाद के अवैध भण्डारण के विरुद्ध कलेक्टर पार्श्व जैसवाल के निर्देशन में दुकानों की निगरानी के कथि विस्तार अधिकारी एवं पटवारियों से कराई जा रही है। इसी क्रम में माया कुशवाहा शिवाय खाद बीज भण्डार धूमौरा को ईफको के पानी द्वारा 30 मी.टन ढी-एपी उर्वरक भण्डारित किया गया था। जिसकी जाच और मिलान 18 सितंबर को कृषि विभाग द्वारा दुकान बंद करते समय शाम को की गई। अगले दिन सुबह फिर से लाइसेंस किया, जिसमें ढी-एपी की मात्रा सून्य मी.टन पाई गई। जिसके विरुद्ध माया कुशवाहा धूमौरा को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। संबंधित से तीन दिन में जबाब प्रस्तुत करने को कहा गया है। जबाब संतुष्ट पूर्वक न होने पर संबंधित पर नियमनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गिलास नंबर गेम में नीता और पीहू अवल, व्यंजन स्पर्धा में आरती ने बाजी मारी

छत्तीसगढ़, देशबन्धु। नगर अग्रवाल समाज, नवयुवक मंडल और अग्रसेन महिला विकास समिति द्वारा महाराजा अग्रसेन की 5149वीं जयंती के मौके पर आयोजित रंगारंग कार्यक्रम व नंबर गेम व्यंजन स्पर्धा की कड़ी में बैटियों और महिलाओं के बीच विद्युतित अंदरूनी अवलोकन करते रहे।



और सुजाता अग्रवाल तुम्ही आई। बैटियों के बीच में पीहू, अग्रवाल प्रथम, अवनी अग्रवाल द्वितीय और परी अग्रवाल तृतीय आई। जयंत प्रतियोगियों में आरती अग्रवाल के बीच व्यंजन का जाकर सभी को ऐसा भाया कि वे अब्तल रहें। संगीता अग्रवाल द्वितीय और साक्षी अग्रवाल तीसरे नंबर पर रहे।

रही।

बताया गया है 20 सितंबर को दोपहर 3 से 4 बजे तक 5 से 10 वर्ष के बच्चों की और इसके बाद शाम 4 से 5 बजे तक महिलाओं की फैस्टी ड्रेस प्रतियोगिता कराई जाएगी।

अग्रवाल प्रथम, जूली अग्रवाल द्वितीय

प्रतियोगिता कराई जाएगी।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आयोजित अग्रवाल और रंगारंग कार्यक्रम का मुख्य अतिथि डॉ रितेश अग्रवाल और डॉ कंचन अग्रवाल ने दीप प्रज्ञलित करके शुभरंभ किया।

पंकुअलिटी में राजसी अग्रवाल, नीता ने बताया महालक्ष्मी मर्लिंग में आ

अभिमत

आ

ओडिशा में जैविक खेती की पहल

जब साफ तौर पर रासायनिक खेती के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं तो इसके महेनजर देश के कई कोनों में जैविक खेती की ओर किसानों का रुझान बढ़ा है। इसी कड़ी में ओडिशा में भी किसानों में इस बारे में चेताना आई है, और कुछ किसान जैविक खेती की ओर मुड़े हैं। आज इस कॉलम में ओडिशा में जैविक खेती की पहल पर चर्चा करना चाहूंगा, जिससे खेती की नई पहल के बारे में जाना जा सके।

हाल ही में मेरी पश्चिम ओडिशा के कुछ युवा किसानों से मुलाकात हुई, जो जैविक खेती का प्रयोग कर रहे हैं। ये किसान, जय किसान अंदोलन से भी जुड़े हैं। इनमें से एक किसान हारा बनिया है। वे बरगढ़ जिले के सरकंडा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि वे बचपन से ही खेती करते आ रहे हैं। खेती और पेड़ लगाना, उन्होंने परिजनों से ही सीखा है।

आगे बढ़ने से पहले यहां बताना उचित होगा, मिथि पश्चिम ओडिशा में हीराकुण्ड बांध की नहरों से धन की खेती होती है। यहां रासायनिक खेती हो रही है, जिससे खेती की प्रदूषण बढ़ा है और लोगों के स्वास्थ्य पर असर हुआ है। बरगढ़ जिले में कैंसर के मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई है।

किसान कार्यकर्ता हारा बनिया बताते हैं कि उनकी 5 एकड़ जमीन है। उसमें से करीब आधी जमीन पर जैविक खेती करते हैं। खेत में फसल के अलावा, उन्होंने कई प्रजाति के पेड़-पौधे भी लगाए हैं। यानी वे वृक्ष खेती भी करते हैं। नीम की खली का इस्तेमाल करते हैं। नीम, एक कीटनाशक के रूप में भी बहुत उपयोगी है। उनके खेत में बोबेल भी है।

किसान कार्यकर्ता किशोर भाई हैं, वे भी उनके घर के लिए जैविक धन की खेती करते हैं, जिससे साल भर जैविक भोजन मिलता है। इन्होंने जय किसान अंदोलन के कार्यालय समता भवन में कई तरह की हरी पत्तीदार खेतियां भी उगाई हैं। एक दो बार मेरे

लिए भी जैविक सब्जियां लेकर आए।

उन्होंने बताया कि पेड़ लगाने की प्रेरणा एक युवानी कहावत से मिली, जो इस प्रकार है कि 3 माह की फसल धन है, 10 वर्ष की फसल पेड़ है, और जिंदगी भर की फसल शिशा है। इसका अर्थ है कि धन की फसल तीन महीने में तैयार हो जाती है, पेड़ दस साल में अपना पूर्ण रूप लेता है, जबकि शिशा एक ऐसी फसल है, जिसका लाभ जीवन भर मिलता है।

वे बताते हैं कि खेत में देसी धन भी लगाते हैं, जिसका चावल पूरे साल भर खाने के काम आता है। देसी धन में जूली और सरसों फूल प्रजाति लगाते हैं। बचपन को

याद करते हुए उन्होंने बताया कि पहले उनके खेत में मिश्रित खेती होती थी। मूँगफली, मूँग, जूनगा, मिठी-पानी का अलावा, नीमरुद, सीताफल, केला, पपोता इत्यादि।

इसके अलावा, समता भवन में कई

फलदार, सीताफल, केला, पपोता इत्यादि।

जैविक खेती की पैरवी करता है। और इससे प्रभावित होकर कुछ जैविक खेती करने लगे हैं। इस दिशा में और भी प्रयास जारी हैं।

इस तरह की पहल ने किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ा है। उन्हें जैव खाद व जैव कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण देते रहते हैं। इससे मिठी-पानी का संरक्षण भी हो रहा है और खेती में लागत खर्च कम हो रहा है। और लोगों को जैविक भोजन उपाय व जैविक भोजन उपलब्ध हो रहा है। किसान आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं।

इसके अलावा, जैविक खेती का विस्तार किचिन गार्डन (सब्जी बाड़ी) तक हुआ है। इस काम में कुछ चुनौतियां भी सामने आई हैं, जैसे जैविक उत्पादों का उचित दाम नहीं मिल पा रहा है। जिस दाम पर रासायनिक कृषि उत्पाद बिकते हैं, उसी दाम पर जैविक कृषि उत्पाद बिकते हैं।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए कांसा संगठन सैदेव ही प्रयासरत रहा है। वर्ष 2012 में जारी बजट खेती की प्रयोगी सुधापालेकर के शिविरों का आयोजन भी कराया था।

इसके बाद कुछ किसान जैविक खेती की

अपेक्षित होती है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए फसलों के ठंडल या

भूसा चरेने के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और खेती के लिए दो

तालाब भी हैं। जिससे भूजल भी चार्जाच होता है।

लिंगराज भाई बताते हैं कि जैविक

खेती के लिए गोबर खाद मिल जाती थी,

और

